6. बहादुर

पाठ का सारांश

- सहसा मैं काफी गंभीर हो गया था, जैसा कि उस व्यक्ति की हो जाना चाहिए, जिस पर एक भारी दायित्व आ गया हो। वह सामने खड़ा था और आँखों को बुरी तरह मलका रहा था। बारह-तेरह वर्ष की उम्र ठिगना चकइठ शरीर, गोरा रंग और चपटा मुँह। वह सफेद नेकर, आधी बांह की ही सफेद कमीज और भूरे रंग का पुराना जूता पहने था। उसके गले स्काउटों की तरह एक रूमाल बंधा था। उसको घेरकर परिवार के अन्य लोग खड़े थे। निर्मला चमकती दृष्टि से कभी लड़के को देखती और कभी मुझको और अपने भाई को। निश्चय ही वह पंच-बराबर हो गई थी।
- निर्मला को अपने भाभियों के पास नौकर को देखकर नौकर रखने की इच्छा बहुत प्रबल हो गई थी। उसका भाई एक नौकर लाकर बहन के यहाँ रख देता है। पहले उसके बारे में पूरी कहानी असाधारण विस्तार से बताता है। दिलबहादुर नाम का यह नेपाली गँवइ गोरखा है। उसका पिता युद्ध में मारा गया था। माता जी घर चलाती थी। एक दिन माता जी ने शरारत करने पर दिलबहादुर को बहुत मार मारा। वह वहाँ से भाग गया और लेखक. महोदय के यहाँ नौकरी करने के लिए आ गया। वह मेहनती और भोला-भाला लड़का था। उसके आने पर घर के सभी लोग बहुत स्वागत किया।
- निर्मला प्रेम से बहादुर कहने लगी। घर के कामों में वह सहयोग देने लगा। वह घर की सफाई करता, कमरों में पोंछा लगाता, अंगीठी जलाता, चाय बनाता और पिलाता। दोपहर में कपड़े धोता और बर्तन मलता। वह रसोई बनाने की भी जिद करता, पर निर्मला स्वयं सब्जी और रोटी बनाती। निर्मला को उसकी बहुत फिक्र रहती। दिन मजे से बीतने लगे। निस्संदेह बहादुर की वजह से सबको खूब आराम मिल रहा था।
- घर खूब साफ और चिकना रहता। कपड़े चमाचम सफेदा निर्मला की तबीयत भी काफी सुधर गई। अब कोई एक खेर भी न टसकाता था। किसी को मामूली से मामूली काम करना होता, तो वह बहादुर को आवाज देता। 'बहादुर एक गिलास पानी।"बहादुर, पेन्सिल नीचे गिरी है, उठाना।' इसी तरह की फरमाइशें। बहादुर घर में फिरकी की तरह नाचता रहता। सभी रात में पहले ही सो जाते थे और सबेरे, आठ बजे के पहले न उठते थे।
- किशोर अपना सारा काम बहादुर से करवाता। जूते में पॉलिश, साइकिल की सफाई, कपड़ो की धुलाई और इस्त्री भी। इतने सारी फरमाइशों में कोई गड़बड़ी हो गई तो बुरी-बुरी गाली

देना, मार-पीट, गर्जन-तर्जन आदि चालू हो गया। धीरे-धीरे निर्मला का हाथ भी खुल गया। अब बहादुर को मारनेवाला दो लोग हो गये। कभी-कभी एक गलती पर दोनों लोग मारते थे।

- एक दिन रविवार को निर्मला के रिश्तेदार घर पर मिलने के लिए आये। घर में बड़ी चहल-पहल मच गई। नाश्ता पानी के बाद बातों की जलेबी छनने लगी। इसी समय एक घटना हो गई। अचानक रिश्तेदार की पत्नी ने चोरी इलजाम नौकर पर लगा दिया। सबलोगों ने बारी-बारी से पूछा। लेकिन बहादुर नही-नहीं कहता रहा। पहले लेखक महोदय ने बहादुर को मारा। फिर बाद में निर्मला ने भी बहादुर को मारा। इस घटना के बाद बहादुर काफी डांट-मार खाने लगा। वह उदास रहने लगा और काम में लापरवाही करने लगा।
- एक दिन मैं दफ्तर से विलम्ब से आया। निर्मला आँगन में चुपचाप सिर पर हाथ रखकर बैठी थी। अन्यं लड़कों का पता नहीं था, केवल लड़की अपनी माँ के पास खड़ी थी। अंगीठी अभी नहीं जली थी। आँगन गंदा पड़ा था, बर्तन बिना मले हुए रखे थे। सारा घर जैसे काट रहा था।
- क्या बात है ?- मैंने पूछा – बहादुर भाग गया। भाग गया! क्यों ? पता नहीं।
निर्मला आँखों पर आँचल रखकर रोने लगी। मुझे क्रोध आया। मैं चिल्लाना चाहता था, पर भीतर-ही-भीतर कलेजा जैसे बैठ रहा हो। मैं वहीं चारपाई पर सिर झुकाकर बैठ गया। मुझे एक अजीब-सी लघुता का अनुभव हो रहा था। यदि मैं न मारता, तो शायद वह न जाता।

6. बहादुर

* लेखक परिचय *

लेखक :- अमरकांत

जन्म :- जुलाई 1925 नागर बलिया (उत्तर प्रदेश)

→ 1946 ई0 में इन्होंनें इंटर मेरिस्ट किया था।

→ 1912 में इलाहबाद विश्विद्यालय से B.E.D किया था।

अखिल भारतीय कहानी प्रतियोगिता में उनकी कहानी डिप्टी कलेकटेर को पुरस्कृत किया था।

प्रमुख स्थानं :- जिंदगी और जोख देश के लोग, मौत का नगर, मित्रमिलन पुहासा, 'सुखा पत्रा', आकाश पक्षी, काले- उजले दिन सुखजीवी, ग्राम सेविका

6. बहादुर

Short Answer

1. (i) लेखक ने बहादुर को क्या हिदायतें दीं? लेखक ने उसे क्या समझाया ?

उत्तर - लेखक ने बहादुर (दिल बहादुर) को निम्नलिखित हिदायतें दीं।

(क) सारी शरारतें छोड़कर उसे ढंग से काम करना चाहिए।

(ख) वह इस घर (लेखक के घर) को अपना घर समझे।

लेखक ने उसे (बहादुर को समझाया कि यदि वह यहाँ रह गया तो जीने का तौर-तरीका सीख जाएगा, घर के और लड़कों की तरह पढ़-लिख जाएगा और उसकी जिंदगी और अच्छी हो जाएगी।

(ii) लेखक की पत्नी, निर्मला ने बहादुर को कौन-से व्यावहारिक उपदेश दे डाले ?

उत्तर - लेखक की पत्नी निर्मला ने बहादुर को व्यावहारिक उपदेश देते हुए कहा - "तुम इस मुहल्ले में किसी के यहाँ न जाओगे और न किसी का काम करोगे। इस मुहल्ले में छोटी मानसिकता वाले लोग रहते हैं। कोई बाजार से कुछ लाने को कहे तो बड़ी होशियारी से कन्नी कटा लोगे। तुम घर के सभी लोगों के साथ सम्मान और शिष्टाचार का व्यवहार करोगे।”

(iii) बहादुर के नाम से 'दिल' शब्द क्यों उड़ा दिया गया ? विचार करें।

उत्तर - लेखक के घर में दिलबहादुर को नौकर के रूप में रख लिया गया। लेखक की पत्नी ने दिलबहादुर का नाम संक्षिप्त कर दिया। 'दिल' शब्द हटाकर उसने उसका नाम केवल 'बहादुर' कर दिया। पुकारने के लिए छोटा नाम ही उपयुक्त होता है। अतः, लेखक की पत्नी, निर्मला ने 'दिलबहादुर' नाम की जगह पुकारने के लिए 'बहादुर' शब्द का ही प्रयोग करना उचित और अच्छा समझा। ऐसा कर लेखक ने यह जताने का प्रयास किया है कि मध्यम वर्ग संवेदनाहीन हो गया है। यदि उनमें प्रेम आदि संवेदनाएँ हैं, तो केवल दिखावेभर के लिए।

(iv) बहादुर का स्वर कैसा था ?

उत्तर - बहादुर का स्वर मीठी झनझनाहट से पूर्ण था।

2. (i) रात में बहादुर कहाँ सोता था ?

उत्तर - रात में सारा काम-धाम करने के बाद बहादुर भीतर के बरामदे में एक टूटी हुई बँसखट पर सोता था।

(ii) बहादुर के बिस्तर पर कौन-कौन-सी चीजें सज जाती थीं?

उत्तर - बहादुर के बिस्तर पर कुछ गोलियाँ, पुराने ताश की गड्डी, कुछ खूबसूरत पत्थर के टुकड़े, ब्लेड एवं कागज की नावें सज जाती थीं।

(iii) काम-धाम के बाद रात को अपने बिस्तर पर गए बहादुर का लेखक किन शब्दों में चित्रण करता है?

उत्तर - सारा काम-धाम निपटाने के बाद बहादुर भीतर के बरामदे में बँसखट पर सोता था। सोने से पहले वह नेपाली टोपी पहनकर आईने में बंदर की तरह अपना मुँह देखता था। इसमें उसे बड़ा आनंद आता था। इसके बाद वह अपनी जेब से कुछ गोलियाँ, पुराने ताश की एक गड्डी, कुछ खूबसूरत पत्थर के टुकड़े, ब्लेड तथा कागज की नावें निकालता और उन्हें अपने बिस्तर पर सजा देता और उनसे कुछ देर तक खेलता रहता। खेल पूरा होने पर वह अपनी पहाड़ी भाषा (नेपाली भाषा) में कुछ गुनगुनाने लगता। उसके स्वर में एक मीठी उदासी होती जो सारे घर में फैल जाती थी।

3. (i) किशोर कौन था? वह किस बात का कायल था ?

उत्तर - किशोर लेखक और उसकी पत्नी निर्मला का पुत्र था। वह काफी शान - शौकत और 'रोब-दाब' से रहने का कायल था।

(ii) किशोर ने अपने सभी काम बहादुर को क्यों सौंप दिए ? वह बहादुर से कौन से काम कराता था ?

उत्तर - किशोर को ऐसा लगा कि बहादुर को कड़े अनुशासन में रखना चाहिए। अतः, उसने अपने सभी काम बहादुर को सौंप दिए। वह बहादुर से जूते में पॉलिश लगवाता, अपनी साइकिल की

सफाई करवाता, अपने कपड़े धुलवाता और उनकी इस्तिरी (आयरन) करवाता और रात में सोते समय अपने शरीर की मालिश कराता तथा मुक्की भी लगवाता था।

(iii) बहादुर से थोड़ी-सी भी चूक होने पर किशोर की कैसी प्रतिक्रिया होती थी?

उत्तर - किशोर के काम में बहादुर से थोड़ी भी चूक होती थी तो किशोर गर्जन- तर्जन करने लगता था, बहादुर को बुरी-बुरी गालियाँ देता था और कभी-कभी उसपर हाथ भी चला देता था।

(iv) किशोर बहादुर को कैसी चेतावनी देता था ?

उत्तर - किशोर बहादुर को चेतावनी देते हुए कहता था- मेरा काम सबसे पहले होना चाहिए। मेरा कोई काम पूरा नहीं हुआ तो मैं मारते-मारते तुम्हारी हालत बिगाड़ दूँगा (हुलिया टाइट कर दूँगा) ।

4. (i) "मेरे कलेजे में जैसे कुछ हौंड़ रहा है।" इसका आशय स्पष्ट करें।

उत्तर - कहानीकार की पत्नी (निर्मला) को इस बात का अत्यधिक दुःख है कि निर्दोष बहादुर को निर्ममता के साथ पीटा गया। वह (निर्मला) अपने दुःख को व्यक्त करने के लिए 'हौंड़ना' शब्द का प्रयोग करती है। 'हौंड़ना' भोजपुरी का समर्थ शब्द है जिससे पश्चातापपूर्ण दुःख का व्यंजन होता है।

(ii) किशोर ने अपना पश्चाताप किन शब्दों में व्यक्त किया ?

उत्तर - किशोर ने अपना पश्चाताप व्यक्त करते हुए कहा, माँ, यदि एक बार भी बहादुर आ जाता, तो मैं उसे पकड़ लेता और उसे कभी जाने नहीं देता। मैं उससे अपने किए की माफी माँगता और शपथपूर्वक विश्वास दिलाता कि मैं उसे कभी मारूँगा नहीं, उसकी सेवा के लिए उसे सम्मान दूँगा। वह कुछ चुराकर नहीं ले गया, अगर ले गया होता, तो मुझे दुःख नहीं, एक प्रकार का संतोष होता।

Long answer question

1. 'बहादुर' कहानी के लेखक को क्यों लगता है कि जैसे उसपर एक भारी दायित्व आ गया हो।

उत्तर - लेखक के परिवार में एक नौकर की नितांत आवश्यकता थी। लेखक की पत्नी को सबेरे से रात तक खटना पड़ता था । लेखक को लगता था कि उसकी पत्नी के समान अभागिन और दुखिया स्त्री इस दुनिया में दूसरी नहीं है। नेपाल से भागा हुआ बारह-तेरह वर्ष का लड़का जब अचानक उसके घर के सामने आकर खड़ा हो गया तब लेखक के भीतर एक नौकर रखने का सपना तैर गया।

पर, उसे अपनी आर्थिक स्थिति का पता था। नौकर रखें या न रखें, लेखक इस द्वंद्व में उलझ गया। उसे यह अहसास होने लगा कि उसपर परिवार का मुखिया होने के नाते एक भारी दायित्व आ गया है। उसका निर्णय ही परिवार के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

2. बहादुर अपने घर से क्यों भाग गया था ?

उत्तर - युद्ध में बाप के मरने के बाद उसकी माँ सारे परिवार का पालन-पोषण करती थी। उसकी माँ बड़ी गुस्सैल थी। वह बात-बेबात बहादुर को पीटती रहती थी। वह चाहती थी कि बहादुर घर के काम-धाम में उसका हाथ बँटाए, पर वह तो पहाड़ या जंगलों में निकल जाता और घोंसलों से चिड़ियों के बच्चे निकालता तथा फल तोड़कर खाता। कभी-कभार पशुओं को चराने ले जाता तो उस भैंस को खूब पीटता, जिसे उसकी माँ उससे भी ज्यादा प्यार करती थी। एक दिन उसने अपनी माँ की प्यारी भैंस को खूब पीटा। मार खाकर भैंस भागी भागी उसकी माँ के पास चली गई। उसकी माँ समझ गई कि बहादुर ने उसे खूब पीटा है। बहादुर जब घर लौटा तब उसने उसकी डंडे से खूब पिटाई की। बहादुर का मन माँ से फट गया। वह घर से भाग खड़ा हुआ।

3. बहादुर के आने से लेखक के घर और परिवार के सदस्यों पर कैसा प्रभाव पड़ा ?

उत्तर - बहादुर के आने से परिवार के सारे सदस्यों को खूब आराम मिल रहा था। घर भी खूब साफ-सुथरा रहता था। प्रतिदिन पोंछा लगाने के कारण कमरे खूब साफ और चिकने रहते थे। नियम से बहादुर सबके कपड़े धोता। सभी चमाचम सफेद कपड़े पहनते। सारे काम बहादुर करता था। कोई एक खर भी न टसकाता था। किसी को मामूली से मामूली काम करना होता, बहादुर को ही याद करता। बहादुर भी ऐसा बहादुर था कि सबकी फरमाइश पूरी करता था। सभी रात में पहले ही सो जाते और सुबह आठ बजे के पहले नहीं उठते थे। बहादुर के आने से परिवार के सारे सदस्यों को गर्व की अनुभूति होती थी।

4. निर्मला को बहादुर के चले जाने पर किस बात का अफसोस हुआ ?

उत्तर - बहादुर के चले जाने पर निर्मला को इस बात का अफसोस है कि वह कोई सामान नहीं ले गया

है। वह अपने कपड़े, बिस्तर, जूते सब कुछ छोड़ गया है। यदि वह इन्हें अपने साथ ले गया होता तो

शायद निर्मला को एक प्रकार का संतोष हो गया होता। उसे अफसोस है कि उसने बहादुर को कुछ नहीं दिया। यदि वह कहकर अपने घर लौटता तो वह उसे खूब अच्छी तरह पहना-ओढ़ाकर भेजती, उसकी तनख्वाह के रुपये दे देती, दो-चार रुपये और अधिक दे देती, पर वह तो कुछ ले ही नहीं गया!

5. साले साहब से लेखक को कौन-सा किस्सा असाधारण विस्तार से सुनना पड़ा ?

उत्तर - लेखक के साले साहब बहादुर को लेकर लेखक के घर आए थे। उनके भीतर इस बात की खुशी थी कि उन्होंने अपनी बहन और जीजा के लिए बहुत बड़ा काम किया है। उन्होंने उस उमंग और खुशी में बहादुर का किस्सा असाधारण विस्तार के साथ सुनाया। बहादुर कहाँ का रहनेवाला था, वह अपने घर से क्यों भागा, उससे उनकी मुलाकात कहाँ हुई और उसके यहाँ लाने के लिए उन्होंने उसे किस प्रकार राजी किया- -इस किस्सा को उन्होंने असाधारण विस्तार के साथ (खूब बढ़ा-चढ़ाकर) अपने जीजाजी को सुनाया।

6. बहादुर का चरित्र - चित्रण करें।

उत्तर - बहादुर बारह-तेरह वर्ष का नेपाली बालक है। उसका पूरा नाम दिलबहादुर - है। उसका शरीर ठिगना और रंग गोरा है। उसमें बचपन का सहज चापल्य है। वह माँ से प्रताड़ित होकर घर से भाग जाता है और कहानीकार के यहाँ नौकर के रूप में काम करने लगता है। बहादुर सरल, ईमानदार, निश्छल, निर्दोष और कर्तव्यनिष्ठ है। वह निर्लोभ और मनमौजी है। दुनियादारी उसे छू भी नहीं पाई है। वह अपनी निश्छलता के कारण ही पीड़ित होने को अभिशप्त है।

6. बहादुर

1. बहादुर शीर्षक कहानी के लेखक कौन हैं?

(A) अमरकांत

(B) गुणाकर मुले

(C) विनोद कुमार शुक्ल

(D) यतीन्द्र मिश्र

Ans – (A)

2. हिन्दी के सशक्त कथाकार अमरकांत का जन्म कहाँ हुआ है?

(A) अमरावती महाराष्ट्र

(B) बदरघाट पटना

(C) नागरा बलिया उत्तरप्रदेश

(D) उन्नाव उत्तरप्रदेश

Ans – (C)

3. लेखक अमरकांत का जन्म हुआ था?

(A) जुलाई 1925 ई० में

(B) अगस्त 1928 ई० में

(C) मार्च 1924 ई० में

(D) जून 1927 ई० में

Ans – (A)

4. अमरकांत लिखित कहानी का नाम है ?

(A) ईदगाह

(B) ठेस

(C) मछली

(D) बहादुर

Ans – (D)

5. 'बहादुर' कहानी का पात्र बहादुर क्या है?

(A) ड्राइवर

(B) घरेलू नौकर

(C) लेखक का मित्र है।

(D) लेखक का साला है।

Ans – (B)

6. बहादुर लेखक के घर से क्या लेकर भागा था?

(A) कपड़े

(B) विस्तरा

(C) जूते

(D) कोई भी सामान नहीं ले गया

Ans – (D)

7. बहादुर का पूरा नाम है-

(A) दिलबहादुर

(B) शेख बहादुर

(C) बहादुर प्रसाद

(D) बहादुर पंडित

Ans – (A)

8. बहादुर कहाँ का रहने वाला था?

(A) बिहार

(B) उत्तरप्रदेश

(C) नेपाल

(D) भूटान

Ans – (C)

9. बहादुर की उम्र कितनी थी?

(A) दस ग्यारह वर्ष

(B) ग्यारह बारह वर्ष

(C) बारह-तेरह वर्ष

(D) तेरह चौदह वर्ष

Ans – (C)

10. बहादुर के नाम से 'दिल' शब्द किसने उड़ा दिया?

(A) लेखक ने

(B) लेखक के साले साहब ने

(C) निर्मला ने

(D) किशोर ने

Ans – (C)

11. बहादुर अपने घर से क्यों भागा था?

(A) नौकरी के लिए

(B) पिता के फटकार के कारण

(C) माँ की मार के कारण

(D) घूमने के लिए

Ans – (C)

12. बहादुर की माँ गुस्से से पागल क्यों हो गयी थी?

(A) बहादुर ने भैंस को मारा था

(B) बहादुर ने कुत्ते को मारा था

(C) बहादुर ने बिल्ली को मारा था

(D) बहादुर माँ का काम नहीं करता था

Ans – (A)

13.'बहादुर कैसी कहानी है?

(A) धार्मिक

(B) तार्किक

(C) सामाजिक

(D) ऐतिहासिक

Ans – (C)

14. बहादुर पर कितने रुपये की चोरी का इल्जाम लगा था?

(A) 10 रुपये

(B) 11 रुपये

(C) 12 रुपये

(D) 13 रुपये

Ans – (B)

15. लेखक के रिश्तेदार ने बहादुर पर क्या आरोप लगाए?

(A) पैसे चुराने का

(B) गहने चुराने का

(C) अंगूठी चुराने का

(D) मोती चुराने का

Ans – (A)

16. कहानी है-

(A) नाखून क्यों बढ़ते हैं

(B) बहादुर

(C) नौबतखाने में इबादत

(D) परंपरा का मूल्याकन

Ans – (B)

17. बहादुर लेखक के घर से अचानक क्यों चला गया ?

(A) दूसरी नौकरी मिल जाने के कारण

(B) माँ की याद आने के कारण

(C) स्वयं के प्रति लेखक तथा उसके के व्यवहार में आए परिवर्तन के कारण

(D) उपर्युक्त सभी

Ans – (C)

18. बहादुर के भाग जाने के बाद किसे एक अजीब-सी लघुता का अनुभव हो रहा था?

(A) निर्मला को

(B) किशोर को

(C) लेखक को

(D) उपर्युक्त में कोई नहीं

Ans – (C)

19. बहादुर को लेखक के घर कौन लेकर आया था?

(A) लेखक के मित्र

(B) लेखक के बड़े भाई

(C) लेखक के साले साहब

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – (C)

20. लेखक के बड़े लड़के का क्या नाम था ?

(A) बहादुर

(B) किशोर

(C) सन्तु

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – (B)

21. बहादुर पर चोरी का आरोप कौन लगाता है?

(A) लेखक

(B) निर्मला

(C) किशोर

(D) निर्मला के रिश्तेदार

Ans – (D)

22. बहादुर की शारीरिक बनावट कैसी थी ?

(A) ठिगना चकइठ शरीर

(B) गोरा रंग

(C) चपटा मुँह

(D) उपर्युक्त सभी

Ans – (D)

23. लेखक के घर जब पहली बार आया था तो बहादुर क्या पहने हुए था?

(A) सफेद नेकर

(B) आधी बाँह की सफेद कमीज-

(C) भूरे रंग का पुराना जूता

(D) उपर्युक्त सभी

Ans – (D)

24.'वानर सेना' नामक एक बाल उपन्यास किसने लिखा है?

(A) गुणाकर मुले

(B) यतीन्द्र मिश्र

(C) विनोद कुमार शुक्ल

(D) अमरकांत

Ans – (D)

25. मैं वहीं चारपाई पर सिर झुकाकर बैठ गया। मुझे एक अजीव-सी लघुता का अनुभव हो रहा था। यदि मैं नहीं मारता तो शायद वह न जाता । यह गद्यांश किस पाठ का है?

(A) मछली

(B) परंपरा का मूल्यांकन

(C) बहादुर

(D) विष के दाँत

Ans – (C)

26. उसकी हँसी बड़ी कोमल और मीठी थी जैसे फूल की पंखुड़ियाँ बिखर गई हों। उपर्युक्त कथन किसके संबंध में कही गई है? |

(A) निर्मला

(B) किशोर

(C) बहादुर

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – (C)

27. बहादुर का बाप कहाँ मारा गया था?

(A) युद्ध में

(B) डकैती में

(C) चोरी में

(D) चरवाही में

Ans – (A)

28. बहादुर से मार खाकर भैंस भागी - भागी किसके पास चली आई

(A) बहन के

(B) माँ के

(C) नानी के

(D) चाची के

Ans – (B)

29. किशोर से मार खाने के बाद वहादुर

(A) प्रतिरोध करता

(B) हंगामा खड़ा करता

(C) चुपचाप कोने में हो जाता

(D) ग्रेने लगता

Ans – (C)

30. बहादुर के संबंध में क्या सही नहीं है ?

(A) एक नेपाली लड़का

(B) बहुत ही हँसमुख और मेहनती था

(C) माँ से पिटाई के कारण पर छोड़कर भाग गया था

(D) वह लेखक के रिश्तेदार का पैसा चुरा लिया था

Ans – (D)

31. दिल बहादुर है -

(A) लेखक का मित्र

(B) लेखक का पड़ोसी

(C) लेखक का नौकर

(D) लेखक का ड्राइवर

Ans – (C)

32. बहादर को सुअर का बच्चा किसने कहा?

(A) लेखक ने

(B) निर्मला ने

(C) किशोर ने

(D) लेखक के रिश्तेदार में

Ans – (C)

33. किनकी कहानियों में मध्य वर्ग, विशेषकर निम्न मध्य वर्ग के जीवनानुभवों और जिजीविषा का बेहद प्रभावशाली और अंतरंग चित्रण मिलता है?

(A) गुणाकर मुले

(B) अमरकांत

(C) रामविलास शर्मा

(D) हजारी प्रसाद द्विवेदी

Ans – (B)

34. "जिंदगी और जॉक किनकी रचना है?

(A) अमरकांत

(B) विनोद कुमार शुक्ल

(C) गुणाकार मुले

(D) यतीन्द्र मिश्र

Ans – (A)

35. अमरकांत की कौन-सी कहानी अखिल भारतीय कहानी प्रतियोगिता में पुरस्कृत हुई थी ?

(A) बहादुर

(B) डिप्टी कलक्टरी

(C) जिंदगी और जोंक

(D) कुहासा

Ans – (B)

36. बहादुर के चले जाने के बाद किसे अजीव सौ लघुता का अनुभव हो रहा था?

(A) लेखक को

(B) निर्मला को

(C) किशोर को

(D) रिश्तदार को

Ans – (A)

37. 'बहादुर' शीर्षक कहानी की निर्मला कौन थी?

(A) लेखक की बहन

(B) लेखक की पत्नी

(C) लेखक के रिश्तेदार

(D) लेखक की माँ

Ans – (B)

38. बहादुर कहाँ से भागकर आया था ?

(A) भोपाल से

(B) नेपाल से

(C) बंगाल से

(D) तिब्बत से

Ans – (B)

39. 'बहादुर' शीर्षक कहानी में किशोर कौन था?

(A) लेखक का पुत्र

(B) लेखक के साले का पुत्र

(C) लेखक के भाई का पुत्र

(D) लेखक का चचेरा भाई

Ans – (A)